राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 40/- संख्या 2455
नागराज है ना
eComic

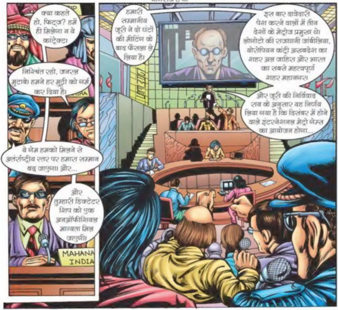
क्या कहते हो, फिट्ज? हमें ही मिलेगा न ये कांट्रेक्ट।
निश्चिंत रहो, जनरल मुटावे। हमने हर मुट्ठी को गर्म कर दिया है।
ये गेम हमको मिलने से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हमारा सम्मान बढ़ जाएगा। और...
और तुम्हारी डिक्टेटर शिप को एक अनऑफीशियल मान्यता मिल जाएगी।
MAHANA
INDIA
हमारी सम्मानीय जूरी ने दो घंटों की मीटिंग के बाद फैसला ले लिया है।
इस बार दावेदारी पेश करने वालों में तीन देशों के मेट्रोज प्रमुख थे। लोगोटो की राजधानी जांबीलिया, योरोपियन कंट्री अरब्बदेश का शहर अल जाहिरा और भारत का सबसे महत्वपूर्ण शहर महानगर।
और जूरी की निर्विवाद राय के अनुसार यह निर्णय लिया गया है कि दिसंबर में होने वाले इंटरनेशनल मेट्रो गेम्स का आयोजन होगा...

LIVE
भारत के सबसे बड़े मेट्रो सिटी... महानगर में।
एयरपोर्ट 25 KM
MAHANAGAR 25
AIRPORT KM
येSSSS। येSSSS

कांग्रेचुलेशंस फ्रेंड। उम्मीद है कि हमारी टीम आप के महानगर की धरती पर कोई न कोई मेडल जीत कर जरूर आएगी।
जरूर। आपकी टीम का महानगर में स्वागत है।
तुम नाराज नहीं हुए जनरल? मुझे तो लगा था कि तुम आग बबूला हो जाओगे।
तुम्हें मेरी आंखों लाल लग रही हैं? कानों से धुंआ निकलते दिख रहा है?
नहीं।
तो ध्यान से देख।
तूने मेरा करोड़ों डॉलर का नुकसान ही नहीं कराया बल्कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय में जगह बनाने का एक सुनहरा मौका भी मुझसे छीन लिया है।
इस हार से मिली बदनामी के कारण मेरी वो छीछालेदर होगी जिसके कारण मेरी सत्ता भी जा सकती है।
और ये सब हुआ तेरे कारण। तेरे झूठे वादों के कारण। तुझे सजा मिलेगी और मोटावे को सिर्फ एक ही सजा देनी आती है।
मौत की सजा।
मुझे...एक... मौका और दो... जनरल।
क्या अभी मेरी बर्बादी में कुछ बचा है।
तुम...अभी भी...दूसरे नंबर पर हो।
...अगर महानगर छः महीनों में तैयारी नहीं कर पाया.. तो..ठेका... आपको मिल सकता है।
सच!!!
सच। आऽऽऽह।
तो फिर कुछ ऐसा कर कि महानगर में खेल हो ही न सकें। और ठेका मिल जाए लोगोटो की राजधानी जांबीलिया को।
ऐसा ही होगा।

संजय गुप्ता पेश करते हैं।

नागराज है ना

राज कॉमिक्स है मेरा जनून!

कथा	चित्रांकन	इंकिंग	इफैक्ट्स	कैलिग्राफी	सम्पादक
जॉली सिन्हा, अनुपम सिन्हा	अनुपम सिन्हा	गौरव, सागर	सुनील	हरीश शर्मा	मनीष गुप्ता

किसी वस्तु की रचना करने में बहुत समय और श्रम लगता है और नाश करने में सिर्फ कुछ पल और जीरो श्रम।
इसीलिए विनाश की आशंका हमको हमेशा भयभीत करती रहती है।
OK TATA
फिर मिलेंगे
STOP
और इसी आशंका को दूर करने के लिए सुरक्षा का सहारा लिया जाता है।
क्या सरजी। अब हमको भी रोकोगे? ये गॉरमेंट ड्यूटी का ट्रक है। सिर्फ सीमेंट की बोरियां लदी हैं इसमें।
स्टेडियम की साइट पर पहुंचाना है जल्दी।
ऊपर से ऑर्डर है। महानगर में हर आने वाले वाहन की तलाशी होगी। मेट्रो गेम्स के मद्देनजर हाई एलर्ट है।
आप लोग कुछ भी करवा लो मार गरीब पर ही पड़ती है।
चुप। तलाशी तो होगी ही होगी। बस पांच मिनट लगेंगे।
तो आप बोरियों के बीच में घुस-घुस कर तलाशी लोगे क्या?
कोई जरूरत नहीं। तलाशी हम नहीं...
ये लेंगे। नागराज के चेकिंग इंस्पेक्टर।

लोग सांप देख कर भागते हैं, तुम लोग सांप नौकरी पर रखते हो।
ये तनख्वाह नहीं लेता।
जाओ। तुम को क्लियरेंस मिल गई है।
पर...पर यह सब है क्या? खेल करा रहे हो या युद्ध लड़ रहे हो।
इतनी महीन चेकिंग किस लिए?
कोई है जो महानगर में मेट्रो गेम्स होने देना नहीं चाहता।
"और इसका आभास हमको पहली बार तब हुआ जब महानगर के मेन एथेलेटिक्स स्टेडियम में रिनोवेशन के दौरान वह हादसा हुआ।"
हूऽऽऽऽऽऽ

अरे! ये तो नशे में धुत है। कितनी बास मार रहा है।
उसने कुछ खिला दिया...फिर दारू छिड़की है। मैंने...पी नहीं है।
शराबी दूसरों पर ही इल्जाम लगाता है।
कितना नुकसान कर दिया इसने।
ओ गॉड! यहां वैसे ही टाईम की मारामारी है और इसने महीने भर का काम बढ़ा दिया।
कैसे घुसा ये अंदर? तुम सिक्योरिटी वाले सो रहे थे क्या?
एक मिनट! शांत रहें, सर!
शांत रहें, सर! तुम-तुम मुझे चुप करा रहे हो? यू दो कौड़ी के...
शांत रहें सर!
(गड़्ब) ओ... ओ.के.! प...पर हुआ क्या?
'स्नेक आई' एजेंसी के गॉर्ड सख्ती करना जानते थे।
ट्रक का इंजन बंद हो चुका है। फिर भी टिक-टिक की आवाज आ रही है।
ये बम है। ट्रक में कहीं फिट है। भागो। दूर हटो।
अब क्या करें? ट्रक में बम ढूंढें?
हमारे पास शायद इतना वक्त नहीं है।
अब बस एक ही रास्ता है।
वSSSअना!
दृSSSऊSSS!

थ्रीSSSS!
धड़ाम
अSSS! खतरा टल गया। वर्ना स्टेडियम को नुक्सान जरूर पहुंचता।
कमाल है! ट्रक फटा और ऐसे फटा कि यहीं टूट कर रह गया।
हां सर! वह ड्राईवर सही कह रहा था ये किसी और की शरारत है! पर किसकी?
ओह!
क्या हुआ?
कल PWD डिपार्टमेंट के पास एक SMS आया था।
किसी आतंकी ग्रुप की तरफ से! उसमें सभी स्टेडियमों को उड़ाने की धमकी थी।

हमें लगा कि किसी अंडर कंस्ट्रक्शन गेम साइट पर भला कोई क्यों हमला करेगा? ये जरूर मजाक होगा।
एक गलती आपसे हुई, इंजीनियर साहब...
...तो एक गलती हमसे हुई है। अब हम हर स्टेडियम के बाहर एक और रोक बनाकर रखेंगे ताकि ऐसा हादसा दोबारा न हो।
ये क्या? सीटों के सपोर्ट वाला एंगल फ्रेम टूट रहा है। कैसे?
ऐसा एक भी हिस्सा टूटा तो पूरा स्टेडियम ढह जाएगा।
अरे! ये सांप तो...
नागराज के हैं। पर ऐसा क्या हो गया...

...कि नागराज को खुद आने की ज़रूरत पड़ गई...
अरे! ये क्या है?

अब स्टेडियम को
कोई ताकत बचा नहीं
सकती।
ज्यादा नहीं करोगे।

इस समस्या को उपर तक महसूस किया जा रहा था।
G POOL

इनको रोकना होगा।
हमारे पेट पर लात मारी जा रही है। मैनेजमेंट इनको निकाल कर नए मजदूरों को भर्ती कर रहा है।

और फिर

हम बैंक के काम में अगर मुनाफा नहीं चाहते तो घाटा भी नहीं चाहते।
आई एम सॉरी।

रख दे, वर्ना इस ब्लेड मे तेरा

होश में आओ! जानवर बन
गए हो क्या तुम सब?

NATIONAL Transport

MN 02
X2080

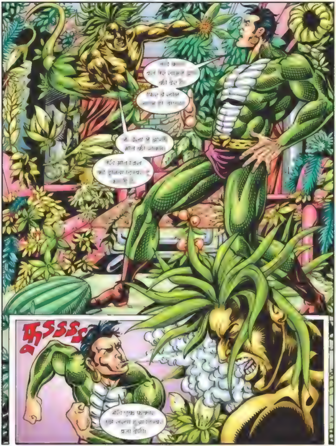

ये क्या?

आश्चर्यजनक क्षमता है।

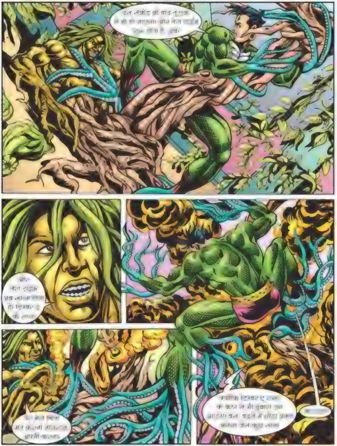

मेरा ऐसा करने का कोई इरादा नहीं

उठाने के लिए पक्के सबूत नहीं
मुसीबत आ सकती है। मुझे सोचने के लिए थोड़ा वक्त चाहिए।

"यह किसी भी तरह से अंदर नहीं आ सकता

KLIK
KLIK

इसीलिए हम इस फीड का प्रसारण ज़रूर करेंगे, पर लाइव नहीं।

पूरा देश अलग अलग प्रतिक्रियाएं व्यक्त कर रहा था।

और नागराज इस षडयंत्र के खिलाफ कानूनी सुबूत जुटाने में व्यस्त था।
ओह! रबर की चोट का असर तो हर बच्चा जानता है आज मैं भी जान गया।
मैं इसको नुकसान पहुंचाना नहीं चाहता। लेकिन जब तक एंबेसी में फैले मेरे सांप सुबूत इकट्ठा करके नहीं लाते, तब तक मैं इसको रोकूंगा कैसे?
क्योंकि मैं तो इसकी चिपक से हाथ तक नहीं छुड़ा पा रहा हूं।
अब मैं तुझे ऐसा झटका दूंगा, नागराज
कि तेरे शरीर में रहने वाले सांप अंदर ही पिसकर मर जाएंगे।
आहऽऽऽह! ऐसे तो सुबूत बाद में मिलेंगे...आऽऽऽह... मौत पहले मिलेगी।
कुछ तो करना ही होगा।
पर नागराज को मौका मिलने वाला नहीं था।
आग मेरा कुछ नहीं बिगाड़ पाएगी इरेजर।
आग तो मैं खुद पैदा कर लेता हूं।
जानता हूं। ये आग तुझे जलाने के लिए नहीं, मेरी रबर को गलाकर तेरे पूरे शरीर पर फैलाने के लिए है। उसके बाद तू मेरी रबरशील्ड के अंदर होगा और तब मैं तेरा भगवान होऊंगा।

आपने अगरबत्ती तो खुद ही जला ली भगवान जी।
पर प्रसाद तो मुझे ही चढ़ाने दीजिए।
ये...ये तू क्या कर रहा है।
अब क्या करें, एंबेसेडर?
हुम। मुझे ही कुछ करना पड़ेगा। अब तीस सेकेंड के अंदर नागराज इसका काम तमाम कर देगा और सारे सुबूत लेकर फुर्र हो जाएगा। लाइव फीड को बंद करा दो।
हिन्दुस्तानी पब्लिक को जितना देखना था उतना देख चुकी है।
भारती कम्युनिकेशन में-
मैडम! अचानक फीड मिलनी बंद हो गई! उस वक्त नागराज मुसीबत में था।
मुझे इसी बात का शक था। कुछ गड़बड़ है। हमको लोगोटो एंबेसी ने यूज किया है। टेलिकास्ट बंद कर दो।
पर जो नुकसान होना था वह हो चुका था।
नागराज ने ये ठीक नहीं किया। हो सकता है जांबीलिया वालों ने कोई षड्यंत्र किया ही न हो।
वैसे भी किसी के भी इलाके में अनाधिकृत रूप से घुसना गलत बात है।
अब तो नागराज ने अगर ये प्रूव कर दिया कि लोगोटो वालों ने हमारे गेम्स रोकने की कोशिश की है, तो बात बन जाएगी।
जितने मुंह थे उतनी राय थीं।
और हर राय एक ही बात पर निर्भर थी- नागराज की सफलता पर।
चेर्र्र्र्र
अगर तू रबर का बना है तो रबर को खत्म करने का मुझे एक ही तरीका आता है।
घिस डालना। अब या तो तू मुझे छोड़ेगा...
शाबास। अब तुम को इसका ईनाम मिलेगा।

वाह! ये सारी चीजें तो टिम्बर टू और बुकछुप से संबंधित हैं।
इनकी मदद से लो मैं...
ये...ये मुझे क्या हो रहा है?
मेरे सारे शरीर को जैसे लकवा मार रहा है।
जानना चाहोगे कैसे नागराज?

ऐसे!
डॉक्टर जुलू!
नए और इंप्रूव्ड वर्जन में। बोलो कैसी मौत चाहते हो? अगली सुई सिर में घुसाऊं या दिल में?
वापस आ गया है डॉक्टर जुलू और इस बार राक्षस के हाथ में है वह तोता जिसमें बसी है नागराज की जान। बेबस, विवश और अपंग नागराज की जान। बचेगा तोता या उड़ेंगे तोते नागराज के? जानने के लिए पढ़ें अगला और अंतिम भाग।
क्यों है नागराज